आत्म निरीक्षण कर अपनी भूमिका सुनिश्चित करें मीडियाकर्मी- त्रिवेदी

आबू रोड, 22 सितम्बर, निसं। पत्रकार क्या कर सकता है, और समाज के प्रति उसकी क्या भूमिका है इसे गहरायी से जानने की आवश्यकता है। समाज का उत्थान काफी हद तक पत्रकारिता पर आधारित है। पत्रकारों को आत्म निरीक्षण कर अपनी भूमिका सुनिश्ति करें। उक्त उदगार गुजरात के पूर्व गृहमंत्री तथा पवित्र यात्राधाम के अध्यक्ष महेन्द्रभाई त्रिवेदी ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में राष्ट्रयी मीडिया महासम्मेलन के उदघाटन अवसर पर बोल रहे थे।

आगे उन्होंने कहा कि आज ज्यादातर नकारात्मक पत्रकारिता का रूप दिखता है। समाज में कई ऐसे कार्य है जो समाज के उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। आज लोग पैसे कमाने के चक्कर में ऐसे रास्ते का चयन कर रहे है जो किसी भी रूप से लोकहित में नहीं है। पूर्व में पत्रकारिता के ऐसे आयाम तय किये है जो आज के लिए मिसाल है। सात्विक विचारों के प्रतिबद्ध होकर नये समाज की सफलता का प्रयास करना चाहिए।

दूरदर्शन के उपमहानिदेशक सी सुब्रमह्याम ने कहा कि आज सात सौ चैनल है जिसमें कई ऐसे चैनल है जो समाज के सुदृढ़ीकरण के लिए खतरनाक है। ऐसे चैनलों को पर कोई रोक नहीं है। इन चैनलों पर इतनी अश्लीलता दिखायी जाती है कि उसे पूरा परिवार नहीं देख सकता है। इसलिए मीडियाकर्मियें को कोई भी सामग्री परोसने से पूर्व जरूर उसपर विचार कर लेना चाहिए। इंडिया न्यूज के समाचार सम्पादक ने कहा कि आज मीडिया की प्रतिस्पर्धा इतनी बढ़ गयी है कि व्यवसाय करना प्रमुख हो गया है। ऐसे समय में समाज के दायित्वों से विमुख होना घातक हो सकता है।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रयी पत्रकारिता विश्व विद्यालय के पत्रकारिता विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. कमल दीक्षित ने कहा कि पत्रकारों को अब अपने निजी स्वार्थों से उपर उठते समाज के मसीहा बनकर आत्म मनन करें। ऐसे रास्तों का सृजन करें जिससे पत्रकारिता की डगर श्रेष्ठ समाज की ओर अग्रसर करें। वर्ल्ड रिनवल मैगेजिन के प्रधान सम्पादक बीके निर्वेर कहा कि जिस तरीके से पूर्व में मीडिया ने अपनी भूमिका को रेखांकित करते हुए समाज को सही दिशा दी। ऐसे अब भी जरूरत है कि अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके ओम प्रकाश ने कहा कि आज मीडिया इतना शक्तिशाली हो गया है। उसकी एक आवाज आम लोगों की आवाज बन जाती है। उसकी एक पहल पूरे समाज की पहल बन जाती है। अफसोस तब होता है जब कई बार मीडिया में नकारात्मकता और पक्षपात का आरोप लगने लगता है। पत्रकारों को इस आरोपों को निराधार साबित करने का प्रयास करना चाहिए। मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके करूणा ने कहा कि यह तीन दिन चलने वाले महासम्मेलन में हम सभी इस बात पर जरूर विचार करें कि पत्रकारिता की दिशा कहा जा रही है।

इस अवसर पर ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र. कु. मोहिनी, ब्र. कु. शीलू आदि ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभाग की जोनल कोआर्डिनेटर ब्र. कु. चन्द्रकला ने किया।

फोटो, 22एबीआरओपी 1, 2, 3, 4, 5 सम्मेलन का उदघाटन करते अतिथि, सभा में उपस्थित मीडियाकर्मी।